मिडिल स्कूलों में अलग से कक्षाएं लगाकर बालिकाओं को कुंग फू, कराते सिखाएंगे

भास्कर संवाददाता | धार

जिले के शासकीय मिडिल स्कूलों में पढ़ाई, खेल के साथ अब आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके लिए स्कूलों में अलग से कक्षाएं लगेंगी। नए शिक्षा सत्र से कक्षाएं प्रारंभ होंगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी। जिले के 718 मिडिल स्कूलों लगभग 80 हजार बच्चे हैं। इनमें 42 हजार बालिकाएं और लगभग 38 हजार बालक हैं। फिलहाल बालिकाओं को ही आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बालकों के साथ निजी स्कूलों में भी बच्चों को प्रशिक्षण के आदेश जारी करने की योजना है। एपीसी भूषण देशपांडे ने बताया शासन प्रति मिडिल स्कूल पर 9 हजार रुपए खर्च कर रहा है। 6ठी से 8वीं तक की बालिकाओं को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जून से शुरू होने वाले नए शिक्षा सत्र से बालिकाओं की कक्षाएं लगेंगी। बालिकाओं को कुंग फू व कराते सिखाने के लिए गर्मी की दो महीने की छुट्टियों में प्रशिक्षक ढूंढे जाएंगे। इनमें मान्यता प्राप्त एसोसिएशन के प्रशिक्षकों या फिर कुंग फू व कराते में पारंगत महिला पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इन्हें वेतन भी दिया जाएगा।

ग्रीन या ब्लैक बेल्ट को प्रशिक्षिका बनाएंगे

एपीसी पांडे के मुताबिक यह कोर्स प्रशिक्षण सत्र तीन महीने का होगा। इसके बाद प्रशिक्षणार्थी बालिकाओं की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा में पासआउट होकर जिन बालिकाओं को ग्रीन या ब्लैक बेल्ट मिलेगा। उन्हें प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त कर वेतन दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को आत्म रक्षक बनाने के साथ उन्हें इस विधा के माध्यम से रोजगार से जोड़ना है।

अल्पसंख्यक कॉलेजों में इस बार भी ऑफलाइन प्रवेश

जितना समय ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया को, उतना ही ऑफलाइन के लिए

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंदौर सहित प्रदेशभर के अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त कॉलेजों में इस बार भी एडमिशन ऑफलाइन ही होंगे, लेकिन कॉलेजों को उतने ही समय एडमिशन देने की छूट रहेगी, जितने समय तक ऑनलाइन एडमिशन की प्रक्रिया चलेगी। जिस दिन ऑनलाइन एडमिशन के रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे, उसी दौरान अल्पसंख्यक कॉलेजों में प्रवेश शुरू होंगे। इन कॉलेजों को भी 45 दिन का ही समय दिया जाएगा। इधर, कॉलेजों में ऑनलाइन एडमिशन के लिए शासन ने 45 दिन की समय-सीमा तय कर दी है और नई गाइड लाइन भी तय की जा रही है। 12 वीं का रिजल्ट आने के बाद ही एडमिशन प्रक्रिया शुरू होगी।

इंदौर में 3 और कॉलेजों को अल्पसंख्यक का दर्जा मिलेगा

पिछली बार की तरह इस बार भी अल्पसंख्यक कॉलेजों को बाकायदा एडमिशन की पूरी सूची शासन के पोर्टल पर अपलोड करना होगी। यह बात भी सामने आई है कि इस बार अल्पसंख्यक कॉलेजों की संख्या बढ़ेगी। इंदौर में ही तीन नए कॉलेजों को यह दर्जा मिल सकता है। फिलहाल 37 कॉलेजों के पास अल्पसंख्यक का दर्जा है, जबकि 65 से ज्यादा कॉलेज ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

10 से ज्यादा कोर्स शुरू होंगे, एक यूनिवर्सिटी को भी मान्यता

इस बार एडमिशन से पहले दो सरकारी कॉलेजों सहित आठ कॉलेजों में दस नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। 31 मार्च के बाद उच्च शिक्षा विभाग कभी भी इनकी एनओसी जारी कर देगा। उसके बाद एक नई यूनिवर्सिटी को भी मान्यता देने की चर्चा चल रही है।

पीजी कोर्स की संख्या भी बढ़ेगी

गवर्नमेंट राऊ कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सुधा सिलावट के अनुसार हमने पीजी के कुछ कोर्स मांगे हैं। उम्मीद है कि एमए और एमकॉम को अनुमति मिल सकती है। होलकर साइंस सहित अन्य कॉलेजों को भी पीजी में कम से कम एक-एक स्पेशलाइजेशन की अनुमति मिलने की संभावना है।